Result Mitra Daily Magazine

AI – Artificial Intelligence

हालिया संदर्भ :-

- AI यानि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जनरेटेड डीपफेक मामलों का मुकाबला करने के लिए USA में दो सांसदों ने एक विधेयक पेश किया है।
- इस विधेयक के प्रावधानुसार ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की उपयोगकर्ताओं को यह अनुमति देनी होगी कि वे इस प्रकार की सिंथेटिक सामग्री को उसके मूल उत्पत्ति (Origin) के साथ टैग कर सके।
- इस बिल में ऐसे कई प्रावधान किए गए हैं, जो AI - जेनरेटेड सामग्री का पता लगाने एवं उन्हें प्रमाणित करने की राह को काफी आसान बनाता है।

COPIED ACT :-

- एक्ट का पूरा नाम Content Origin Protection and Integrity from edited and Deepfaked Media file है।
- यह विधेयक एक द्विदलीय विधेयक है।
- इस बिल का मसौदा सीनेटर मारिया कैंटबेल एवं मार्टिन हेनरिक (डेमोक्रेटिक पार्टी) तथा मार्शा ब्लैकबर्न (रिपब्लिकन पार्टी) ने तैयार किया है।

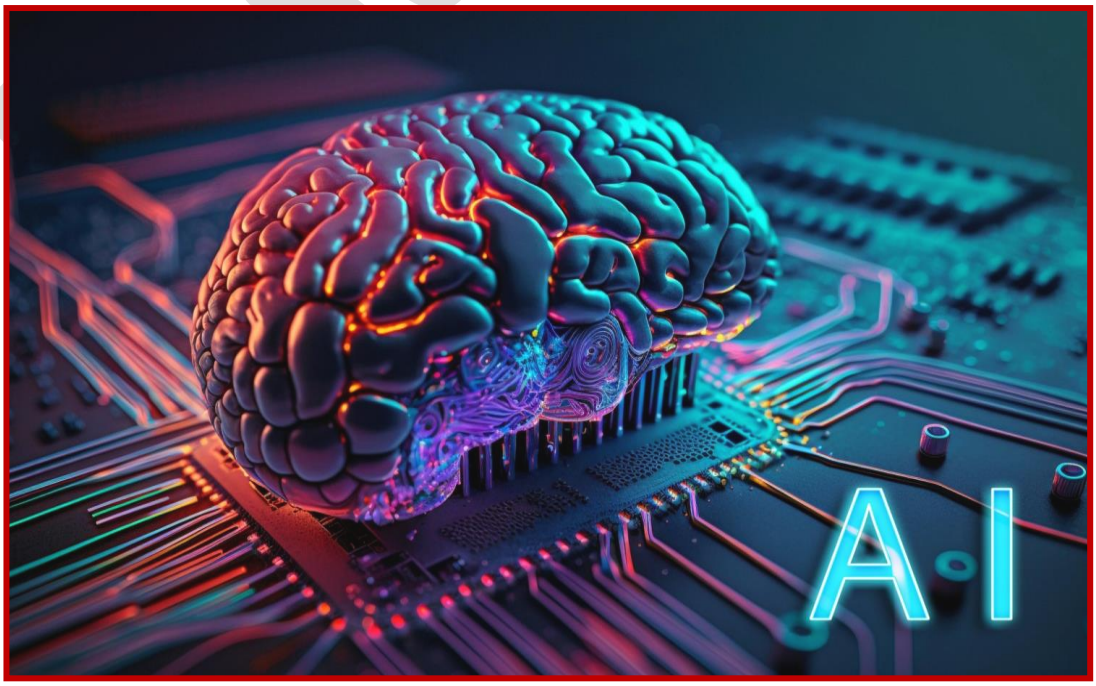

बिल की जरूरत :-

- दरअसल जनवरी 2024 मे लोकप्रिय अमेरिकी संगीतकार टेलर स्विफ्ट की स्पष्ट AI - जेनरेटेड छावियां एक्स (ट्विटर) पर वायरल हो गई।
- इस घटना ने AI के नकरात्मक पहलुओं एवं डीपफेक की समस्या को उजागर किया, जिसमें नीति-निर्माता इसके समाधान के लिए कानून बनाने के लिए प्रेरित हुए।

प्रस्तावित बिल का दायराः-

- US सीनेटर कैंटबेल के अनुसार, यह एक्ट स्थानीय पत्रकारों, कलाकारों एवं संगीतकारों सहित अन्य क्रिएटर्स को प्रोवेंस एवं वाटरमार्क प्रक्रिया के तहत अपनी सामग्री पर नियंत्रण देगा, जो काफी महत्वपूर्ण है ताकि डीपफेक के मामलों को रोका जा सके।
- कई वर्षों से विशेषज्ञों के सामने सबसे बडी चुनौती यह थी कि डीपफेक का निर्धारण कैसे होगा।
- यह एक्ट "डीपफेक" को किसी सिंथेटिक कंटेंट (डीपफेक या AI द्वारा छेड-छाड कर बनाया गया कंटेंट) या सिंथेटिक रूप से संशोधित कंटेंट के रूप में परिभाषित करता है।
- डीपफेक में ऐसे किसी कंटेंट को भी शामिल किया गया है, जो सिंथेटिक कंटेंट होने के कारण समाज में गलतफहमी उत्पन्न करता है।
- बिल के अनुसार, डीपफेक में AI का प्रयोग कर पूरी तरह से तैयार या संशोधित किए गए इमेज, ऑडियो एवं वीडियो भी शामिल होंगे।
- बिल के प्रावधान US आधारित किसी भी ऐसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या एप्प पर लागू होंगे, जिनका वार्षिक राजस्व 5 करोड डॉलर हो या, जिसने लगातार 3 महीनों तक 2.5 करोड मासिक सक्रिय यूजर्स पंजीकृत किए हों।

प्रावधानः-

- COPIED विधेयक के अनुसार, AI मॉडल विकसित करने वाली कंपनियों को अपने उपयोगकर्ताओं को AI- जेनरेटेड सिंथेटिक कंटेंट में कंटेंट प्रोवेंस (डिजिटल सामग्री के किसी भाग की उत्पत्ति एवं परिवर्तन के बारे में अंतिम उपयोगकर्ता को जानकारी देना) जानकारी संलग्न करने का विकल्प देना होगा।
- अर्थात् Instagram या Google सर्च इंजन आदि को अपने उपयोगकर्ताओं को मशीन पठनीय प्रारूप में स्त्रोत एवं सर्च हिस्ट्री जैसी प्रासंगिक जानकारी के साथ AI -जेनरेटेड इमेज को संलग्न करने की अनुमति देनी होगी।
- ऐसा होने से डीपफेक इमे का ऑडियो-वीडियो बनाना मुश्किल होगा या बना लिए जाने की स्थिति में अपराधी की पहचान आसानी से की जा सकेगी।
- उपरोक्त प्रावधान डिजिटल कॉपीराइट पर भी लागू होना है।

Result Mitra

- इस बिल के तहत किसी प्लेटफॉर्म को प्रावधानों के अनुपालन के लिए 2 वर्ष का समय दिया गया है।
- प्रावधान के अनुसार, AI- जेनरेटेड सिंथेटिक प्रोवेंस में जोडी गई जानकारी को हटाना या उसके साथ छेड-छाड करना अवैध होगा।
- रिसर्च उद्देश्यों के लिए कंटेंट प्रोवेंस को हटाना अवैध नहीं होगा।

पता लगाने की प्रक्रिया:-

- बिल सार्वजनिक किसी भागीदारी पर जोर देते हुए US के विभिन्न एजेंसियों को स्वैच्छिक एवं आम सहमति आधारित पहचान एवं वाटर मार्किंग मानकों को विकसित करने का कार्य सौंपता है।
- वाटरमार्किंग मानक से तात्पर्य कंटेंट की प्रामाणिकता सत्यापित करने के लिए इसके मालिक द्वारा दिए गए सत्यापन रिकॉर्ड से है।
- बिल में सिंथेटिक सामग्री एवं डीपफेक के लिए जन जागरूकता अभियान चलाए जाने का भी प्रस्ताव है।
- बिल को USA में कई श्रमिक एवं उद्योग धंधों का समर्थन प्राप्त है।

डीपफेक:-

- इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानि AI की मदद से तैयार किया जाता है
- ये अवास्तविक इमेज एवं ऑडियो अथवा विजुअल कंटेंट होते हैं, जो बिल्कुल वास्तविक सदृश्य होते हैं।
- ठनका उपयोग मुख्यतः लोगों को गुमराह करने के लिए किया जाता है।
- डीपफेक बनाने के लिए इमेज, ऑडियो एवं वीडियो (जिस व्यक्ति का डीपफेक कंटेंट तैया किया जाना है) के रूप में अत्यधिक डेटा की जरूरत होती है।
- ऐसी जानकारियाँ डीपफेक बनाने वालों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संबंधित व्यक्ति की जानकारी के बिना प्राप्त कर लिया जाता है।
- डीपफेक बनाने की प्रक्रिया में टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो एवं वीडियो की सहायता से किसी प्रकार का डीपफेक तैया किया जा सकता है, जो डीप सिंथेटिक प्रक्रिया का एक भाग है।
- ठसमें डीप लर्निंग एवं ऑग्यूमेंटेड रियलिटी (संवर्द्धित वास्तविकता) जैसी प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किया जाता है।

सकारात्मक अनुप्रयोग :-

- ऑडियो-वीडियो एवं इमेज कंटेंट को पुनर्संब्रिहित करने में,
- ऐतिहासिक कलाकृतियों को पुनर्निमित करने में,
- गेमिंग को बेहतर बनाने में,

Result Mitra

- चिकित्सा क्षेत्र में, जैसे आभासी रोग एवं रोगियों के वीडियो विजुअल द्वारा नए अनुप्रयोग विकसित करने में,

नकारात्मक :-

- भ्रामक खबर,
- व्यक्ति के निजी जानकारी को चुराना,
- पॉपुलर व्यक्तित्व के छवि को खराब करना,
- संप्रदायिक वैमनस्यता बढाना,
- अश्लील इमेज/वीडियो बनाना जैसा कि हाल ही में एक भारतीय अभिनेत्री के साथ हुआ था।
- गोपनीयता, विश्वसनीयता एवं व्यक्तित्व प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाने वाले कंटेंट तैयार करना।

डीपफेक रियल की पहचानः-

- रिवर्स इमेज सर्च तकनीक से मूल स्त्रोत या मूल कंटेंट को खोजना,
- टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो या विजुअल कंटेंट में विद्यमान किसी त्रुटि या विसंगतियों का पता लगाना।
- डिजिटल वाटरमार्किंग तकनीक द्वारा प्रामाणिकता को सत्यापित करना।
- जनजागरूकता फैलाना एवं डिजिटल शिक्षा को बढावा देना।

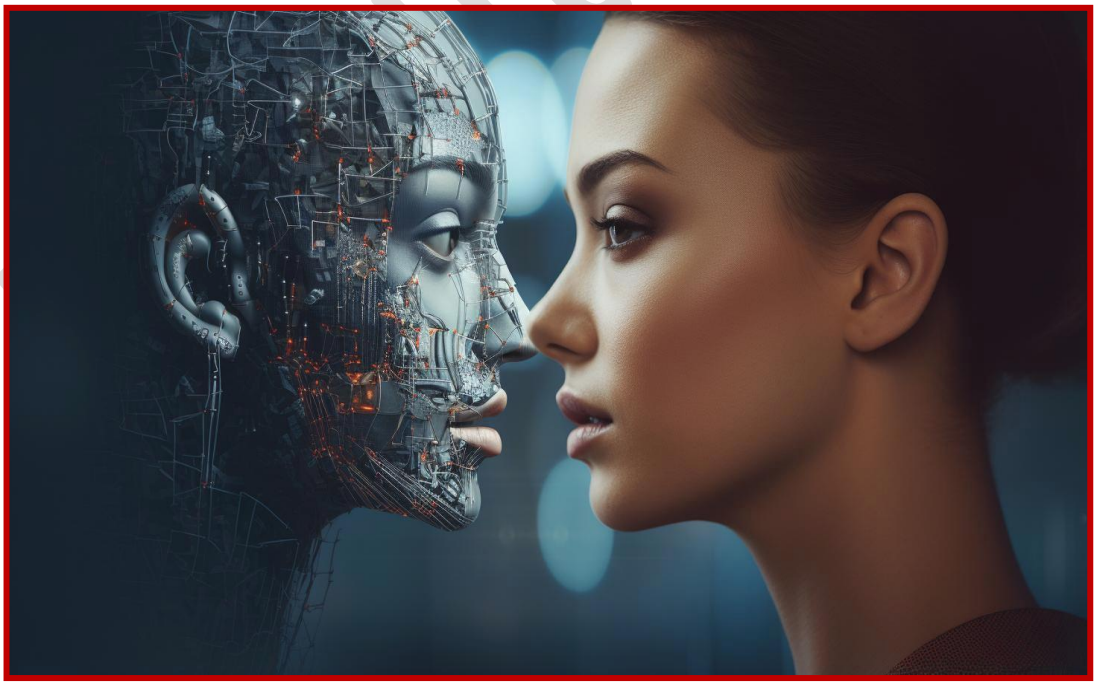

भारत में कानूनी प्रावधान :-

- डीपफेक से संबंधित कोई विशिष्ट कानून नहीं।
- सूचना प्रौद्योगिकी एक्ट, 2000 में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं, लेकिन मानहानि एवं मूल सामग्र को छेड-छाड के साथ प्रस्तुत करना, डीपफेक के लिए कानूनी प्रावधान का आधार हो सकता है।
- सूचना प्रौद्योगिकी एक्ट, 2021 में यह प्रावधान है कि अगर किसी दूसरे व्यक्ति का कृत्रिम रूप से परिवर्तित छवि को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाला जाता है, तो 36 घंटे के भीतर इसे साइट से हटाना होगा।

वैश्विक स्थिति :-

- यूरोपीय संघ में डीपफेक के संबंध में एक मॉडल सहिता लाया गया है, जिसको अपनाने वाले प्लेटफार्म को डीपफेक से मुकाबला करने के लिए 6 महीने के भीतर आवश्यक उपाय करने होते है।
- चीन में डीप सिंथेटिक के संबंध में वर्ष 2023 से एक्ट लागू है, जो डीप सिंथेटिक तकनीक के उपयोग करने वाले कंपनियों/प्लेटफार्म को विनियमित करते हैं।

सुरक्षा शिखर सम्मेलन :-

- नवंबर 2023 में इंग्लैंड में AI सुरक्षा शिखर सम्मेलन का आयोजन,
- चीन, भारत, USA एवं यूरोपीय संघ सहित 28 देशों द्वारा वैलेचले पार्क घोषणा (सम्मेलन वैलेचले पार्क में ही आयोजित हुआ था) पर हस्ताक्षर किए गए।
- फ्रंटियर AI के संभावित जोखिमों एवं लाभों को समझने के लिए समन्वित दृष्टिकोण अपनाये जाने का संकल्प लिया गया।

Result Mitra